कब, कहाँ और कैसे

पाठ का सारांश- हमारी दुनिया शुरू से लेकर आज तक कभी स्थिर नहीं रही। इन बदलावों के कारण हमारा समाज, उसकी अर्थव्यवस्था, राजनीति, कला, संस्कृति आदि प्रायः सारे क्षेत्रों में परिवर्तन होते रहे । ये परिवर्तन कब और कैसे शुरू हुए, प्रस्तुत पाठ इस पर प्रकाश डालता है।

पुनर्जागरण-यूरोप से आधुनिक युग में होनेवाले परिवर्तनों की शुरुआत हुई। पन्द्रहवीं शताब्दी में इटली में एक नया आंदोलन शुरू हुआ जिसे 'पुनर्जागरण' कहा गया। इसके तहत लोगों ने स्वतंत्र रूप से विचार करने की शुरुआत की और वैज्ञानिक पद्धति से सत्य को जानने के लिए राजव्यवस्था, शासकों और धार्मिक व्यवस्था व अंधविश्वास के खिलाफ प्रश्न चिह्न भी खड़े किये और गलत चीजों के विरुद्ध आवाज बुलंद किये । व्यापार-संबंधों व अन्य सम्पर्कों से इस विचारों का प्रसार दुनिया के अन्य भागों में फैल गया।

खोज यात्राएँ – नाविकों और समुद्री यात्रा करने वालों के द्वारा यूरोप के विचार अन्य विश्व-भाग में फैलने लगे। इसी बीच प्रसिद्ध नाविक कोलंबस ने 1492 ई. में अमेरिका महाद्वीप की खोज की।
पूँजीवाद एवं औद्योगिक क्रान्ति–समुद्री यात्राओं ने व्यापारिक संबंधों को बढ़ाया । पूँजी में बढ़ोतरी हुई। इससे यूरोप में 'पूँजीवाद' की व्यवस्था पनपी । पूँजीपति और श्रमिक दो वर्गों में समाज मुख्य तौर पर बंट गया। जहाँ मध्यकाल में जुलाहे हाथों से कपड़े बुनते थे । आधुनिक युग में मशीनों से ज्यादा कपड़े तैयार होने लगे। फलत: 18वीं सदी में मशीनीकरण की प्रक्रिया इंग्लैंड में, इस सदी के उत्तरार्द्ध में शुरू हुई जो अन्य देशों में भी फैल गयी। इसे 'औद्योगिक क्रान्ति' कहा गया।

उपनिवेशवाद एवं साम्राज्यवाद-तैयार माल को बेचने के लिए बाजार तलाश करने और अन्य देशों से सस्ते में कच्चा माल प्राप्त करने के लिए अन्य देशों को अपने अधीन कर, उन शासित देशों को 'कॉलोनी' या 'उपनिवेश' बनाया गया। इससे 'औपनिवेशिक युग' शुरू हुआ और साम्राज्यवादी व्यवस्था की शुरुआत हुई।
अमेरिकी एवं फ्रांसीसी क्रान्ति-अमेरिका की खोज के बाद वहाँ पर यूरोप के देशों ने अपना कब्जा जमा लिया था। कुछ समय बाद ही वहाँ के मूल निवासियों ने यूरोपीय देशों के शासन के विरुद्ध संघर्ष छेड़ दिया। उधर फ्रांस के नागरिकों ने अत्याचार व दमन के कारण राजपरिवार व सामंत के खिलाफ बिगुल बजा दिया। फिर अमेरिका और फ्रांस दोनों ही देशों में गणतंत्र प्रणाली की सरकार बनी। इसका अनुकरण धीरे-धीरे अन्य देशों ने भी किया और एक राष्ट्र के रूप में संगठित होने की परम्परा की शुरुआत हुई।

भारत को भी यूरोपीयों ने उपनिवेश बनाया। उन्होंने हमारे शासन-व्यवस्था को अपने अधीन कर लिया था। इंग्लैंड ने तो भारत पर दो सौ सालों तक शासन कर इसे उपनिवेश बना इसका जमकर शोषण किया। पर साथ ही वे यहाँ

https://www.evidyarthi.in/

अपने साथ नवीन अंग्रेजी शिक्षा और नवीन विचारों को भी लाये । इनके फलस्वरूप भारतीय लोगों में भी जागृति आयी।

समय के साथ हमारे समाज में भी परिवर्तन होते रहे । ये परिवर्तन कभी शब्दों के अर्थ, कभी स्थानों के नाम, कभी भौगोलिक सीमाओं एवं जीवन शैली के संदर्भ में होते रहे।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/